>

Title: Regarding pollution in river Yamuna.

श्री जयंत चौधरी (मथुरा): सभापति महोदय, मैं एक बहुत ही महत्वपूर्ण बात सदन के सामने रखना चाहता हूं जिससे करोड़ों लोगों की भावनायें जुड़ी हुई हैं। मेरे संसदीय क्षेत्र मथुरा में ब्रज क्षेत्र है। यमुना नदी से लोगों की भावना जुड़ी हुई है। चतुर्वेद समाज इस नदी को पूजता है। विशेष आयोजन होते हैं। दुनिया के लोग आते हैं लेकिन मैं आपके ध्यान में लाना चाहता हूं कि जब भी मथुरा और आगरा के लोग नदी की ओर देखते हैं तो उन्हें बहुत ही दुख होता है क्योंकि वह नदी से नाले का स्वरूप बनकर रह गई है। करोड़ों रुपया इस पर खर्च किया गया, बहुत तरह से प्रयास किये गये, अलग-अलग समय पर कोर्ट ने आदेश दिये जिनकी पालना नहीं हुई। वर्ष 1998 में इलाहाबाद हाई कोर्ट ने फैसला लिया था। मैं जानता हूं कि मथुरा प्रशासन ने उनकी एक बात को भी लागू नहीं किया है। यमुना एक्शन प्लान पर करोड़ों रुपये खर्च किये गये। जो योजनायें बनीं, वे व्यावहारिक नहीं थी और न वे सार्थक सिद्ध हो पायी।

महोदय, मैं रूल 377 के तहत इस सदन में इस विषय को उठा चुका हूं और उस समय मैंने जो मांग की थी, उसके जवाब में मंत्री जी ने इस बात को स्वीकारा है कि आज भी स्थिति यह है कि बहुत बड़ी मात्रा में, बड़ी तादाद में औद्योगिक और घरेलू कचरा इस नदी में बिना किसी ट्रीटमेंट के चल रहा है। जापान में एक बहुत बड़ी घटना हुई है और जापान सरकार से यमुना एक्शन प्लान को आर्थिक सहायता मिलती आयी है। आज एक संकट है, यमुना एक्शन प्लान के तृतीय फेज़ की चर्चा है। मैं अपनी ओर से सुझाव देना चाहता हूं कि आज आप इन नदियों के स्वरूप को देखें तो यह बहुत ही दखः का विषय है, अगर यमुना एक्शन प्लान के अगले फेज़ पर कोई अमल होता है, कोई विचार होता है तो उसमें स्थानीय लोगों की, विशेषज्ञों की राय हमें जरूर लेनी चाहिए।

महोदय, आज संगम से दिल्ली तक साधु-संत समाज, बुद्धिजीवी वर्ग और सामाजिक संस्थाएं यमुना बचाओं आन्दोलन के तहत पद यात्रा कर रहे हैं। हमें उसे गंभीरता से लेना चाहिए। आज जानकारी मिलती है कि हरियाणा के पर्यावरण मंत्री हमारे केन्द्रीय पर्यावरण मंत्री जी को चिट्ठी लिखकर कहते हैं कि यह हरियाणा की समस्या नहीं है। हरियाणा में पानी प्रदूषित नहीं हो रहा है। हरियाणा में अमोनिया लेवल नॉर्मल है, हरियाणा में ऑक्साइड लेवल नॉर्मल है। हरियाणा, दिल्ली को दोष देता है, दिल्ली, हरियाणा को दोष देता है और इसमें आम आदमी पिस रहा है, जिसकी श्रद्धा उस नदी से जुड़ी हुई है। यह नदी कई प्रदेशों से होकर जाती है। मैं मांग करना चाहता हूं कि जिस तरह गंगा नदी का एक विशेष जिक्र हमारे बजट में हुआ और एक प्राधिकरण उसके लिए बनाया गया है, एक हाई-पावर कमेटी जो लैफ्टिनेंट गवर्नर, दिल्ली की अध्यक्षता में है, उन्होंने भी प्रस्ताव रखा है कि एक प्राधिकरण बनायें जो राष्ट्रीय स्तर पर पूरी नदी की समीक्षा कर सके, जितनी योजनाएं हैं उनके क्रियान्वयन पर नजर रख सके। नगर पालिकाएं, प्रदेश सरकार की एजेंसियों की उदासीनता के कारण यह नदी दूषित हो रही है। आप इस कार्य को उन पर न छोड़ें।

MR. CHAIRMAN : Shri Dhnanjay Singh, Shri Arjun Ram Meghwal, Shri Gorakhnath Pandey and Shri Vijay Bahadur Singh associate with Shri Jayant Chaudhary.